दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 49 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 02 जून,2025

7

3 मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में बड़ा बदलाव

5 रामपथ और 14 कोसी मार्ग पर नहीं बिकेगा नानवेज

8 क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिले पीएम मोदी

> भारत में आतंकी हमला हुआ तो दुश्मन को उसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी. पाकिस्तान समझ ले 3 बार घर में घुसकर मारा है. हम शक्ति को पूजते हैं. हमने आतंक के ठिकाने को तबाह किया जिनकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की थी. आतंकवाद के अलावा पाकिस्तान के पास कुछ नहीं है. पाकिस्तान ने सिर्फ आतंक को पाला है.

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

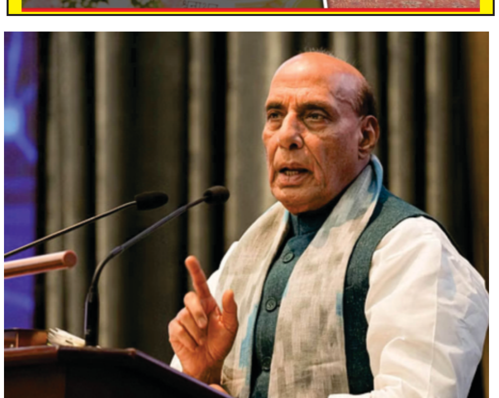

'POK एक दिन हमारा होकर ही रहेगा, पाकिस्तान को आतंकवाद की भारी कीमत चुकानी होगी' राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ–साफ कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू–कश्मीर एक दिन हमारा होकर ही रहेगा। पाकिस्तान से सिर्फ आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी। पीओके के लोग हमारे अपने ही है। पीओके एक दिन खुद कहेगा कि हम भारत का हिस्सा है। रही बात आतंकवाद की तो अब भारत इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

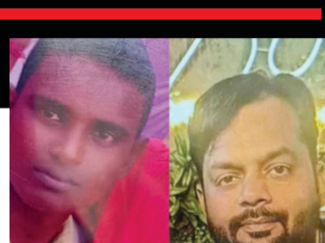

ऑफिस में मृत मिले सिंचाई विभाग के ठेकेदार और चालक मुंह से निकल रहा था झाग... ऐसे पड़े थे शव

गजरौला में ठेकेदार और उनके चालक के शव दफ्तर में पड़े मिले। फोन नहीं उठाने पर रिश्तेदार मौके पर पहुंचे तो इसकी जानकारी मिली। पुलिस ने बताया कि दोनों के मुंह से झाग निकल रहा था। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

दुश्मन कहीं भी हो हौंक दिया जाएगा, पीएम मोदी कानपुरिया अंदाज में पाकिस्तान पर बरसे

आपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ हैः पीएम मोदी

जो संसाधन बड़े शहरों में होते हैं वो अब अपने कानपुर में भी दिखने लगे हैं

कानपुर। प्रधानमंत्री शुक्रवार को पटना से सीधे कानपुर पहुंचे। करीब सवा दो घंटे शहर में रहे। इस दौरान बटन दबाकर प्रदेश की 47,600 करोड़ की 15 बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने कहा कि जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधाएं, जो संसाधन बड़ी–बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं। वो सब अब अपने कानपुर में भी दिखने लगे हैं। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक–नीयत वाली सरकार हो, तो देश और प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं।

जिस ब्रह्मोस ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उसका नया पता है यूपी: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर हो, ये हमारी अर्थव्यवस्था के लिए तो जरुरी है ही। ये देश के आत्मसम्मान के लिए भी उतना ही जरुरी है। इसलिए हमने देश को उस निर्भरता से आजादी दिलाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि एक समय जहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे। वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में ।ज्ञ203 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उस ब्रह्मोस मिसाइल का भी नया पता है–उत्तर प्रदेश।

ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने और ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। उन्होंने कहा कि ये ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था, जब भारत सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने को शुरुआत की।

पीएम मोदी ने कानपुरिया अंदाज में पाकिस्तान पर बोला हमला

पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी।

दूसरा भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा आतंकियों के आका और आतंकी सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखा। अगर मैं सीधे–सीधे कनपुरिया में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो हौंक दिया जाएगा।

> पीएम मोदी ने कहा कि विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। इस हमले का शिकार कानपुर के शुभम भी हुए। वह पीड़ा, कष्ट और भीतर का आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों–बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया में देखा गया। हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने सैंकड़ों मील अंदर घुसकर तबाह कर दिए। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ाकर युद्ध रोकने की मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैं सेना के शौर्य और पराक्रम को बार–बार सैल्यूट करता हूं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह दुश्मन किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

भारत ने आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय किए हैं: पीएम मोदी

- 1 – भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी।
- 2 – भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा।
- 3 – आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा।

रामगढ़ ताल, ग्रामीण में खजनी में छापा

गोरखपुर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम ने छापा मारा है। एक साथ शहर के रामगढ़ताल, खजनी और सहजनवां इलाके में टीम ने छापा मारा है। सूत्रों की मानें तो मनी लॉड्रिंग को लेकर ये छापा बताया जा रहा है। गोरखपुर और आस–पास के इलाकों से संदिग्ध रुपयों की लेन–देन की जांच करने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम गोरखपुर पहुंची। जिले के आलाधिकारियों को मामले की जानकारी देकर टीम सीधे तीनों पते पर पहुंची। रामगढ़ताल थानाक्षेत्र में बैंकॉक में रहने वाले एक परिवार के घर टीम गई। परिवार के सभी सदस्यों के बैंक खाते के साथ रिश्तेदारों और बैंकॉक से हुंड़ी के जरिए आने वाले रुपयों की जानकारी ली। सूत्रों ने बताया कि एनआईए ने ये छापा मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के संदेह में छापेमारी की। बताया जा रहा है कि तारामंडल स्थित बुद्ध विहार पार्ट ए में पन्ने लाल यादव के घर टीम पहुंची। इसकी पुष्टि खुद को भतीजा का दावा करने वाले दीपक यादव ने किया है। बताया कि टीम देर रात उनके गांव उनके गांव गई थी। वहां से शहर के पते पर आई। गांव वाले घर में तीन दरवाजे एनआईए की टीम ने तोड़ दिए। परिजनों के साथ भी मारपीट की। इसके बाद सुबह 4 बजे टीम गांव से परिवार के एक लोग को लोग शहर वाले मकान पर पहुंची। यहां घर में चाचा की बेटियां और चाची हैं। चाचा के लड़के और बेटी को भी एनआईए की टीम ने मारने का आरोप दीपक ने लगाया है। बताया कि जब जाकर टीम से पूछा तो उन्होंने कहा तुम्हारा मामला नहीं है कोई, तुम चले जाओ और बाहर कर दिया।

अब्बास अंसारी को दो साल की सजा

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के कोर्ट में हेट स्पीच मामले में शनिवार को अब्बास अंसारी को दो साल की सजा हो गई। मऊ कोर्ट में अब्बास अंसारी सुबह करीब 10:30 बजे मौजूद हुए। सजा से पहले कोर्ट के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। बीते विधानसभा चुनाव के दौरान नफरती भाषण और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले मे फैसला शनिवार को हुआ।

अंकिता हत्याकांड: तीनों आरोपी दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

देहरादून। 8 सितंबर, 2022 को वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की हत्या कर उसका शव चीला शक्ति नहर में फेंक दिया गया था। घटना के एक सप्ताह बाद चीला नहर से शव बरामद हुआ था। आज कोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुनाया। बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में कोटद्वार स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायालय (एडीजे कोर्ट) ने आज फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने तीनों आरोपियों रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, उसके कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को हत्या के मामले में दोषी करार दिया है। इन पर 302, 201, 354, धाराओं में दोष सिद्ध हुआ है। वहीं, कोर्ट ने तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50–50 हजार रुपये का अर्थ दंड और अंकिता के परिजनों को चार लाख रुपये देने का फैसला भी कोर्ट ने सुनाया।

सम्पादकीय

गुजरात का दौरा

26 और 27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा, दाहोद, भुज, कच्छ, गांधीनगर तमाम जगहों पर कहीं भाषण दिए, कहीं रोड शो किए।

26 और 27 मई को दो दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा, दाहोद, भुज, कच्छ, गांधीनगर तमाम जगहों पर कहीं भाषण दिए, कहीं रोड शो किए। इस दौरान उनका पूरा जोर आत्मप्रचार पर रहा। वैसे भी देश में श्री मोदी से पहले ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ जो इस कदर आत्ममुग्ध हो कि बात–बात में अपना नाम लेकर ही संवाद करे। लेकिन प्रधानमंत्री के भाषणों में अक्सर मोदी ने ये किया, मोदी ने वो किया, मोदी यह कर सकता है, यह मोदी की गारंटी है, जैसे वाक्य सुने जा सकते हैं। नाम के अलावा श्री मोदी का खासा ध्यान अपने परिधान पर भी रहता है। जैसे 26 मई की सुबह नरेन्द्र मोदी जब वडोदरा में थे तो लाल–पीले रंग की पगड़ी, सामने सूर्य के डिजाइन वाला ब्रोच, सफेद कुर्ते पर प्याजी रंग जैकेट उन्होंने पहनी थी, इसके बाद दाहोद में उन्होंने सफेद कुर्ते पर भगवा जैकेट पहनी और सिर पर हैलमेट लगाया क्योंकि लोकोमोटिव मैन्यूफैक्चरिंग वर्क शॉप का उद्घाटन करना था। फिर श्री मोदी पहुंचे भुज, जहां उन्होंने सफेद कुर्ते पर ग्रे रंग की जैकेट पहनी और उसके बाद शाम तक जब वो कच्छ पहुंचे तो सफेद कुर्ते पर धारीदार ग्रे जैकेट, रंग–बिरंगी बार्डर का सफेद पटका गले में और सिर पर कत्थई, हरे, लाल रंग की पगड़ी पहने नजर आए।

26 मई का दिन नरेन्द्र मोदी के लिए खास था, क्योंकि 2014 में इसी तारीख को उन्होंने पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर क्या इस दिन को थोड़ा गरिमामय नहीं बनाया जा सकता था, क्या फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता से इसे दूर नहीं रखा जा सकता था, इस बारे में विचार करने की जरूरत है। गरिमामय शब्द का इस्तेमाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर को भुनाने के लिए जो रोड शो किया गया, उसमें कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार भी बाद में श्री मोदी के साथ आया। अब खुलासा हुआ है कि उन्हें जिला प्रशासन की तरफ से आने का संदेश मिला था। इन्हीं कर्नल कुरैशी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले विजय शाह अब भी भाजपा में बने हुए हैं, लेकिन उनके परिवार को नरेन्द्र मोदी मंच पर साथ रख रहे हैं। उधर भुज में जो भाषण नरेन्द्र मोदी ने दिया, वैसी भाषा कभी किसी प्रधानमंत्री ने इस्तेमाल नहीं की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंक की बीमारी से मुक्त करने के लिए पाकिस्तान की अवाम को भी आगे आना होगा। सुख–चौन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही।

पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने का संदेश दिया जा सकता है, लेकिन किसी देश विशेष का नाम लेकर वहां की जनता को कुछ कहना यह विदेश नीति के तकाजों के खिलाफ है, लेकिन श्री मोदी किसी तकाजे पर कहां यकीन करते हैं।

जिस तरह वे ट्रंप के लिए वोट मांग आए थे, वैसे ही उन्होंने पाकिस्तानी जनता को आगे आने की सलाह दे दी। और उसके बाद मेरी गोली तो है ही, वाली बात कहकर और बड़ी भूल कर दी। क्योंकि भारत की अब तक यही नीति रही है कि वह पहले से किसी पर आक्रमण नहीं करता, केवल आत्मरक्षा के लिए जवाब देता है। मगर यहां प्रधानमंत्री जिस धमकी वाले अंदाज में बात कर रहे हैं, वह बी ग्रेड फिल्मों का घटिया संवाद हो सकता है, प्रधानमंत्री के भाषण में उसकी जगह नहीं होनी चाहिए थी। लेकिन शायद श्री मोदी का अभिनय की तरफ इतना झुकाव बढ़ गया है, या शेक्सपियर से वे इतना प्रभावित हैं कि उनकी लिखी दुनिया एक रंगमंच है, पंक्ति को उन्होंने देश एक रंगमंच है में तब्दील कर दिया है और अब वे इसी रंगमंच पर दिन–रात अभिनय करना चाहते हैं। सोमवार के भाषण की गलतियां मंगलवार को भी जारी रहीं। मंगलवार 27 मई को पं.नेहरू की पुण्यतिथि थी, इस अवसर पर श्री मोदी ने एक लाइन की पोस्ट लिखकर अपनी श्रद्धांजलि तो अर्पित की, लेकिन गांधीनगर के भाषण में उन्होंने फिर से बिना नाम लिए प.नेहरू पर कश्मीर समस्या और भारत–पाक विभाजन का इल्जाम लगा दिया। उन्होंने कहा 1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थी जंजीरें लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर, मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया।

अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार पटेल की बात मान ली गई होती, तो 75 साल से चला आ रहा ये सिलसिला (आतंकी घटनाओं का) देखने को नहीं मिलता। इतिहास की घटनाओं की आधी–अधूरी, मनमानी व्याख्या और उसे गलत संदर्भों के साथ पेश करना नैतिक और वैचारिक तौर पर सही नहीं है, मगर यहां भी प्रधानमंत्री ने तकाजों को किनारे कर दिया। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर को राष्ट्रवाद के लिए इस्तेमाल करते हुए उन्होंने जब विदेशी सामान न खरीदने की सलाह जनसमुदाय को दी तो फिर दो बड़ी गलतियां कर बैठे, पहली तो यह कि उन्होंने कहा कि गणेश जी की मूर्ति से लेकर होली की पिचकारी तक सब विदेश से आता है।

लेकिन क्या प्रधानमंत्री यह नहीं जानते कि देश में व्यापार, आयात–निर्यात, विपणन सबके नियम सरकार ही बनाती है। अगर विदेश से यह सब आकर हमारे बाजारों में अटा पड़ा है तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार है न कि जनता। खुद नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया तामझाम से शुरु करवाया था, क्या अब वे अपनी नाकामी को ही बता रहे थे। दूसरी गलती, उन्होंने कहा कि आज छोटी आंखों वाले गणेश जी भी विदेश से आ जाते हैं, गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही है। यह वाक्य सीधे–सीधे शारीरिक संरचना का मजाक उड़ाना है। छोटी आंख कहकर श्री मोदी भले ही चीन की तरफ इशारा कर रहे हों, लेकिन यह किसी लिहाज से सही नहीं है। क्योंकि चाहे चीन के बाशिंदे हों या हमारे अपने देश में पूर्वोत्तर के लोग, उनके नैन–नक्श को लेकर ऐसी टिप्पणी करना बेहद अशोभनीय है।

लालू की चुनौती

लालू प्रसाद यादव द्वारा तेज प्रताप को पार्टी से निकालने का फैसला डैमेज कंट्रोल की कवायद है, लेकिन इससे त्श्रक के लिए चुनाव से पहले नई मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। लालू प्रसाद यादव का अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित करना डैमेज कंट्रोल की एक कोशिश है। हालांकि इस पूरे प्रकरण से बिहार विधानसभा चुनाव से पहले त्श्रक के लिए एक नई मुसीबत तो खड़ी ही हो गई है। भले यह मामला तेज प्रताप के निजी जीवन से जुड़ा हो, लेकिन उन पर जिस तरह का एक्शन हुआ, उससे जाहिर है कि इसकी परछाई लालू परिवार और उसकी सियासत पर पड़ने का भी डर है।

विवादों से नाता: *तेज प्रताप ने 2015 में पहला चुनाव लड़ा था और नीतीश सरकार में स्वास्थ्य व पर्यावरण मंत्री बने थे। तब से अभी तक वह कई बार असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं और हर बार परिवार–पार्टी को उनके बचाव में उतरना पड़ा। लेकिन, उनकी कुछ हरकतों ने त्श्रक के परंपरागत समर्थक वर्ग को भी नाराज किया था। बिहार के पूर्व सीएम दरोगा राय की पौत्री के साथ उनकी असफल शादी और अब तलाक का केस पूरे परिवार की किरकिरी करा चुका है।*

स्पेन की राजकुमारी को GF के लिए किया रिजेक्ट! बेहद सुंदर और स्टाइलिश हैं फुटबॉलर की लेडी लव एना दुनिया के ताकतवर देशों का भी छूटेगा पसीना! ।मंजूरी के पीछे की इनसाइड स्टोरी जानिए

उत्तराधिकार की लड़ाईरू त्श्रक में अपनी भूमिका और कद को लेकर तेज प्रताप कभी संतुष्ट नहीं दिखाई दिए। लालू के उत्तराधिकार के लिए दोनों भाइयों के बीच होड़ की खबरें आती रहीं और यह लड़ाई 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उस समय सतह पर आ गई, जब तेज प्रताप ने एक अलग मोर्चा ही बना दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव में यह स्पष्ट हो गया कि लालू ने अपना उत्तराधिकारी तेजस्वी को चुन लिया है। इस बार त्श्रक का पूरा जोर है कि चुनावी मैदान में उतरने से पहले महागठबंधन की तरफ से सीएम पद का चेहरा तेजस्वी को घोषित कर दिया जाए। हालांकि इसके लिए सभी सहयोगी दलों के बीच सहमति बनाना थोड़ा मुश्किल हो रहा है।

सीट बंटवारे का दबाव: *पिछले विधानसभा चुनाव में 75 सीटों के साथ त्श्रक राज्य में सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था। पार्टी अपना वही दबदबा गठबंधन के भीतर भी कायम रखना चाहती है, जबकि कांग्रेस ने संकेत दिए हैं कि उसे पिछलग्गू नहीं, बराबरी का दर्जा चाहिए। पिछले दिनों अपनी राज्य इकाई में बदलाव कर उसने यह मेसेज दे दिया था। त्श्रक के सामने सीट बंटवारे की चुनौती है। उस पर कांग्रेस ही नहीं, वामदल और मुकेश सहनी की* ***VIP*** *जैसे घटक दलों का भी दबाव है।*

महागठबंधन की तुलना में ***NDA*** *में फिलहाल ज्यादा सामंजस्य नजर आ रहा है।* ***BJP*** *ने साफ कर दिया है कि चुनाव नीतीश कुमार के चेहरे पर लड़ा जाएगा। ऐसा नहीं है कि यहां सीट बंटवारे का फॉर्म्युला फिक्स हो चुका है, लेकिन अगर कोई परेशानी है भी तो वह सतह पर नजर नहीं आई है।*

भरोसा बढ़ेगा

पहलगाम में कैबिनेट की बैठक विश्वास बहाली का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो देश और सीमा पार यह संदेश देगा कि आतंकवाद जम्मू–कश्मीर की प्रगति को बाधित नहीं कर सकता। पर्यटन में वृद्धि दर्शाती है कि घाटी में स्थिति सामान्य हो रही है, लेकिन आतंकी हमलों का उद्देश्य इसे बाधित करना है।

पहलगाम में जम्मू–कश्मीर कैबिनेट की विशेष बैठक विश्वास बहाली की दिशा में अहम प्रयास है। इससे देश के लोगों में तो भरोसा जगेगा ही, सीमापार तक भी यह संदेश पहुंचेगा कि आतंकी गतिविधियां जम्मू–कश्मीर की तरक्की को रोक नहीं सकतीं।

पर्यटक बढ़े सरकारी आंकड़े बताते हैं कि विशेष दर्जा खत्म होने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू–कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ी है। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2024 के बीच 7.49 करोड़ से ज्यादा टूरिस्ट यहां पहुंचे थे। इसमें से 99. 93 लाख से अधिक पर्यटकों ने घाटी की सैर की। जम्मू के मुकाबले कश्मीर का डेटा भले कम हो, लेकिन इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अच्छी बात यह रही कि इस दरम्यान कश्मीर में विदेशी पर्यटक अधिक आए, 2024 में 65 हजार से भी ज्यादा।

डराना था मकसदः ये आंकड़े केवल पर्यटन का हाल नहीं बताते, बल्कि साबित करते हैं कि जम्मू–कश्मीर, खासकर घाटी में चीजें सामान्य हो रही थीं। जो इलाका आतंकवाद का दंश दशकों से झेल रहा था, वह पूरे भारत के साथ कदमताल करने लगा था। आतंकी इसी पर चोट करना चाहते थे और पहलगाम हमले का मकसद यही था। इसी वजह से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने टारगेट किलिंग कर देश में सांप्रदायिक उन्माद फैलाने की कोशिश की।

आर्थिक झटकाः पहलगाम के बाद जम्मू–कश्मीर के तमाम पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया था और होटल–टैक्सी वगैरह की 90ः तक बुकिंग कैंसल हो गई थीं। यह झटका केवल उनके लिए नहीं है, जिनका रोजगार सीधे पर्यटन से जुड़ा हुआ है, यह चोट पूरे राज्य की आर्थिक सेहत और टूरिज्म बढ़ाने के लिए हाल के बरसों में किए गए तमाम प्रयासों पर है।

अकेला नहीं छोड़नाः सीएम उमर अब्दुल्ला ने ठीक कहा कि अगर हम इन जगहों पर नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा। अगर बंदूकों से डरकर घाटी को अकेला छोड़ दिया जाता है, तो यह आतंकी मंसूबों की जीत होगी। यही तो वे चाहते हैं। उनकी गोलियों का जवाब देने के साथ–साथ यह संदेश भी पहुंचना चाहिए कि हिंदुस्तान के किसी कोने में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है।

प्रयास बढ़ाए जाएंः उमर अब्दुल्ला ने नीति आयोग की बैठक में यह सुझाव भी दिया था कि च्ैन् के लिए कश्मीर में बैठक करना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही, संसदीय समितियों को भी घाटी में जाकर मीटिंग करनी चाहिए। ये कदम छोटे–छोटे ही सही, पर स्थानीय लोगों में सुरक्षित होने का अहसास पैदा करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस कड़ी में पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला की यह बात भी गौर करने लायक है कि केवल टूरिज्म पर निर्भर न रहकर इंडस्ट्री लाई जाए। इससे तमाम दूसरे रास्ते अपने आप खुल जाएंगे।

शराब पीने की रफ्तार गिरने लगी

जहां बंदिश है वहां राजस्व का या कथित विकास का क्या नुकसान हो रहा है यह हिसाब उंगलियों पर गिनवा दिया जाता है। लेकिन जगह–जगह शराब के खिलाफ आंदोलन भी हों रहे है, खासकर महिलाओं की तरफ से। जिन घरों के पुरुष अपनी कमाई और स्वास्थ्य शराब की भेंट चढ़ा देते हैं उस घर को चलाना महिलाओं के लिए कितना मुश्किल होता है यह कोई नहीं सोचता। अब बिहार के जानकार लोग तो यह बात नहीं मानेंगे कि शराब की बिक्री की रफ्तार कुछ कम होने में उनके प्रदेश की शराबबंदी का भी योगदान है, असल में ऐसा हो सकता है। देश में शराब की मांग जहां तीन साल पहले बारह फीसदी की रफ्तार से बढ़ी वह अब गिरकर चार फीसदी और फिर दो फीसदी हो चुकी है और इस कारोबार के लोग इसे भी राहत की खबर ही मान रहे हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर शराब की खपत में एक फीसदी साल की कमी आती जा रही है। और यह कमी शराब कंपनियों की उत्पादन क्षमता घटाने या ब्रांड प्रोमोशन में ढील देने के चलते नहीं आ रही है। माना जाता है कि यह औसत क्रय शक्ति कम होने और शराब की कीमत के आबादी के एक हिस्से की क्रय शक्ति से बाहर होने के चलते हो रहा है। ये लोग दूसरी ओर सस्ती चीजों से नशा की लत शांत कर रहे होंगे, यह सामान्य अनुमान है। इसमें अधिक मारक ड्रग और घटिया कच्ची शराब शामिल है। इनके दुष्प्रभाव जगजाहिर हैं और अपने यहां, खासकर नशाबंदी वाले बिहार और गुजरात में, अक्सर कच्ची शराब पीने से मौत की खबरें आती हैं और ऐसे लोग शासन की चिंता से बाहर हो चुके हैं।

अपने यहां जो कमी आ रही है वह मुख्यतरू शराब पर भारी कर लगाने से आ रही है। जीएसटी लागू होने के बाद से ज्यादातर राज्यों के राजस्व में कमी आई है। खर्च के आइटम बढ़ते ही जा रहे हैं, खासकर लोकलुभावन कार्यक्रमों से चुनाव जीतने की होड़ बढ़ने के कारण। सो सबको राजस्व बढ़ाने का एक ही सरल तरीका दिखता है– शराब की बिक्री बढ़ाओ और उस पर ज्यादा कर लगाकर खजाना भरो। दिल्ली में हमने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आप की सरकार के इस खेल में शामिल होने का तमाशा देखा है। अब भाजपा सरकार ने बिक्री और उपलब्धता में किसी किस्म की सख्ती की हो इसकी सूचना नहीं है। ठीक उलटी सूचना पड़ोस के उत्तर प्रदेश की है जो आज देश में न सिर्फ सबसे ज्यादा शराब बेचता है बल्कि जिसकी बिक्री बढ़ाने की रफ्तार भी सबसे तेज है। योगी राज शुरु होते समय जो राजस्व 17250 करोड़ था वह अब पचास हजार करोड़ तक पहुंच चुका है। यही नहीं, इस सरकार की शराब के ठेकों की नीलामी नीति को भी शराब के व्यापार के लोग सबसे अनुकूल पाते हैं। नोएडा और गाजियाबाद देश में शराब की सबसे ज्यादा और तेज वृद्धि वाले जिले हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में बड़ा बदलाव

सीतापुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 1002 जोड़ों का विवाह कराया जाएगा। वार्षिक आय सीमा 2 लाख से बढ़ाकर 3 लाख कर दी गई है जिससे अधिक आवेदक पात्र होंगे। प्रत्येक लाभार्थी पर अब 1 लाख रुपये खर्च होंगे जिसमें विवाहिता को 60 हजार खाते में 25 हजार का उपहार और 15 हजार विवाह आयोजन पर मिलेंगे। यह लाभ 24 मई के बाद आवेदन करने वालों को मिलेगा।

सीतापुर में 1002 जोड़ों का विवाह कराएगी सरकार, आय सीमा 2 लाख से 3 लाख हुई, प्रति लाभार्थी 1 लाख का खर्च

संवाद सूत्र, गोरखपुर। नए वित्तीय वर्ष में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 1002 जोड़ों का विवाह कराया जाएगा। शासन से इसका लक्ष्य मिल गया है। आवेदकों को भी राहत देते हुए पात्रता में मानक दो लाख रुपये वार्षिक आय की जगह अब तीन लाख रुपये वार्षिक आय कर दिया गया है। इससे अधिक से अधिक लोग विवाह के लिए आवेदन कर पाएंगे। इसके अलावा प्रति लाभार्थी अब 51 की जगह एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। नियमों में बदलाव से लाभार्थियों को फायदा होगा।

24 मई के बाद आवेदन करने वालों को मिलेगा अधिक लाभ

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अब लाभार्थियों को अधिक लाभ मिलेगा। इसका शासनादेश शासन से जारी कर दिया गया है। सामूहिक विवाह योजना में हर लाभार्थी पर सरकार 51 की जगह एक लाख रुपये खर्च करेगी। नई व्यवस्था में विवाहिता को 60 हजार रुपये बैंक खाते में दिए जाएंगे। विवाह में 25 हजार का उपहार दिया जाएगा। विवाह के आयोजन पर 15 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इस तरह प्रति लाभार्थी एक लाख रुपये खर्च आएगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 24 मई के बाद आवेदन करने वालों को यह लाभ मिलेगा। आवेदकों की वार्षिक आय में भी राहत – ? मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए पात्रता में भी राहत दी गई है। योजना की पात्रता के लिए आय सीमा दो लाख रुपये वार्षिक से बढ़ाकर तीन लाख रुपये वार्षिक कर दी गई है। इसमें भी एक लाख रुपये का अंतर बढ़ाया गया है।

अब तक करीब नौ हजार हो चुके लाभान्वित

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अक्टूबर 2017 में लागू हुई थी। तब से अब तक जिले में करीब नौ हजार लाभार्थी योजना का लाभ उठा चुके हैं। हर वर्ग के लोगों को विवाह योजना का लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के नियमों में शासन स्तर से परिवर्तन किया गया है। अब प्रति लाभार्थी एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। आवेदकों के लिए आय का मानक अब तीन लाख रुपये वार्षिक किया गया है। योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र आनलाइन आवेदन करें। अधिक जानकारी के लिए विकास भवन स्थित कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

– हर्ष मवार, जिला समाज कल्याण अधिकारी

चहारदीवारी का निर्माण कराने पहुंची जीडीए टीम का हुआ विरोध

गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की टीम को खोराबार टाउनशिप परियोजना में चहारदीवारी निर्माण के दौरान किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा। मुआवजे की मांग को लेकर अड़े किसानों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। जीडीए टीम को बिना काम पूरा किए लौटना पड़ा। विरोध कर रहे किसान अब प्राधिकरण उपाध्यक्ष से मुलाकात करेंगे।

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना में सीमांकन कर चहारदीवारी का निर्माण करानी पहुंची प्राधिकरण की टीम को काश्तकारों का विरोध झेलना पड़ा। कुछ स्थानों पर तो टीम चहारदीवारी के लिए गड्ढा खोदने में सफल रही लेकिन, बाकी जगहों पर बिना निर्माण कराए ही टीम को लौटना पड़ा। उधर, विरोध कर रहे काश्तकार शुक्रवार को प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन से मुलाकात करेंगे।

जीडीए के सहायक अभियंता एके तायल के नेतृत्व में प्राधिकरण की टीम गुरुवार को पीएसी और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची थी। टीम ने जैसे ही खोराबार टाउनशिप के लिए अधिगृहीत की गई भूमि पर चहारदीवारी का निर्माण कर शुरू करने की कोशिश कि विरोध शुरू हो गया। टीम ने पहले किसी तरह काश्तकारों को समझा बुझाकर गणेश पासवान और सविता की भूमि की पैमाइश की और फिर चहारदीवारी के निर्माण के लिए जेसीबी की सहायता से गड्ढा खोदना शुरू किया।

लेकिन, तभी आस–पास के लोग भी जुट गए और प्राधिकरण उपाध्यक्ष से मुलाकात करने के साथ ही मुआवजे की मांग शुरू कर दी। विरोध बढ़ने पर टीम को लौटना पड़ा। इस दौरान प्राधिकरण के अवर अभियंता आज्ञाराम वर्मा और अवर अभियंता रोहित पाठक समेत प्रवर्तन दल के कई अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पिस्टल लेकर नशे में घूम रहे थे स्कार्पियो सवार

गोरखपुर के बड़हलगंज में पुलिस ने गश्त के दौरान एक स्कार्पियो से तीन युवकों को गिरफ्तार किया। गाड़ी से एक पिस्टल और मैगजीन बरामद हुई। आरोपियों में एक जौनपुर का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि शिवम दुबे नामक एक युवक अपने भाई की इंगेजमेंट में शामिल होने आया था और नशे में अपने दोस्तों के साथ घूम रहा था।

संवाददाता,बड़हलगंज (गोरखपुर)। कोतवाली पुलिस ने बुधवार रात गश्त के दौरान स्कार्पियो गाड़ी को रोककर उसमें सवार तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गाड़ी की तलाशी में .32 बोर की पिस्टल, एक खाली मैगजीन बरामद हुए।जौनपुर जिले के रहने वाले एक आरोपित समेत तीन के विरुद्ध आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर गुरुवार को दोपहर न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

सीओ गोला मनोज पांडेय ने बताया कि बुधवार की रात पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान बाइपास रोड पर एक काली स्कार्पियो पुलिस वाहन के आगे–पीछे घूमती नजर आई। चालक और सवार युवकों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। पुलिस ने तुरंत गाड़ी को रोका और तलाशी ली तो एक पिस्टल .32 बोर, एक खाली मैगजीन बरामद हुई।आरोपितों की पहचान बड़हलगंज के बिमुटी गांव में रहने वाले शिवम विंध्यवासिनी दुबे,धोबौली गांव के इसरार और जौनपुर जिले के सराय ख्वाजा,खलीलपुर में रहने वाले शिवा सिंह के रूप में हुई।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि शिवम दुबे का पूरा परिवार गुजरात में रहता है। वह अपने छोटे भाई की इंगेजमेंट में शामिल होने गांव आया था। इंगेजमेंट के बाद रात में अपने मित्र शिवा सिंह और स्कार्पियो ड्राइवर इसरार के साथ नशे में घूम रहा था। पुलिस गश्ती टीम को देखकर वे भागने लगे।

गतिविधि पर संदेह होने के बाद पुलिस ने घेराबंदी करके पकड़ा।स्कार्पियो वाहन को सीज कर दिया गया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि पिस्टल उनके पास कहां से आई और इसका मकसद क्या था।

गोरखपुर में ईंट–भट्ठे पर युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या का आरोप

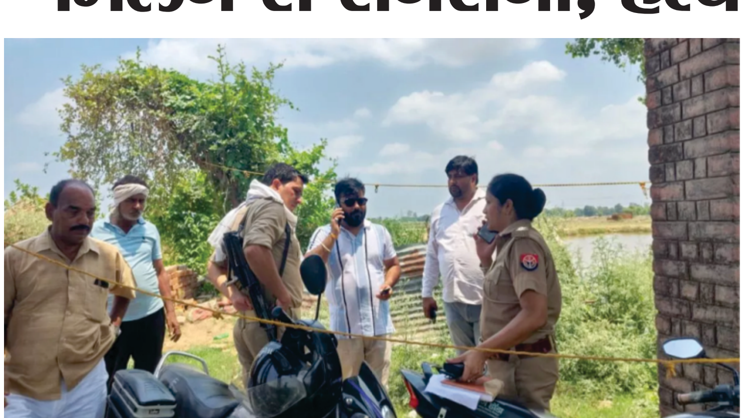

गोरखपुर के खजनी थाना क्षेत्र में एक ईंट भट्ठे पर युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों का आरोप है कि युवक को शराब पिलाकर जमीन लिखवाने के बाद उसकी हत्या कर दी गई और शव को भट्ठे पर फेंक दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सवाददाता, गोरखपुर। खजनी थाना के नंदापर में ईंट भट्ठे पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने शराब पिलाकर जमीन लिखाने के बाद हत्या कर फेंक दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार नंदापार चौराहे के मार्का ईंट भट्ठे पर रुद्रपुर निवासी त्रिवेणी शंकर त्रिपाठी का शव मिला है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। घरवालों का आरोप है गांव के एक व्यक्ति ने उनकी जमीन शराब पिलाकर अपने नाम करा लिया और हत्या कर फेंक दिया। एसपी अपराध सुधीर जायसवाल ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। खजनी पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।

बकरीद के लिए नगर निगम में बनेगा कंट्रोल रूम, क्यूआरटी होगी तैनात

संवाददाता, गोरखपुर। नगर निगम प्रशासन बकरीद त्योहार की तैयारी में जुट गया है। महापौर मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पर्व के दौरान सभी जरूरी इंतजाम करने को लेकर विचार विमर्श हुआ। इस दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान समुचित व्यवस्था के लिए नगर निगम में कंट्रोल रूम स्थापित करने के साथ क्विक रिस्पांस टीम बनाई जाएगी।

गुरुवार को नगर निगम सभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न वार्डों से पार्षद, सभी अपर नगर आयुक्त, सभी विभागाध्यक्ष, सभी जोनल अधिकारी, अभियंता, सफाई निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। बैठक में पार्षदों के द्वारा बकरीद पर्व के दौरान कार्य कर रहे सुपरवाइजर ड्राइवर और सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहन देने की मांग पार्षदों द्वारा की गई। साथ ही पार्षदों ने आवश्यकता अनुसार गाड़ियां, जेसीबी आदि वाहनों की मांग की गई, जिससे कि अपशिष्टों को सुगमता से हटाया जा सके। इसके अलावा प्रकाश की समुचित व्यवस्था और पतली गलियों से अवशिष्ट निकालने के लिए ठेलों की मांग की गई।

इसके बाद नगर आयुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान सभी जरूरी इंतजाम किए जाएंगे। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बकरीद पर्व के दौरान नगर निगम में एक कंट्रोल रूम बनाएं। एक क्विक रिस्पांस टीम भी गठित करें।

ताकि किसी भी जरूरत पर तत्काल उसे पूरा किया जा सके। साथ ही उन्होंने चूना, मेलाथियान एवं अन्य कीट नाशकों की भरपूर व्यवस्था कर लेने के निर्देश भी दिए।

यूपी सरकार और आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय के बीच साइन हुआ एमओयू

लखनऊ। आस्ट्रेलिया के मोनास विश्वविद्यालय और यूपी सरकार के बीच बृहस्पतिवार को एमओयू साइन किया गया। इस दौरान सीएम योगी भी मौजूद रहे। यूपी सरकार पर और आस्ट्रेलिया के मोनास विश्वविद्यालय के बीच एक एमओयू साइन किया गया।

यह एमओयू प्रदेश के बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों एवं अध्यापनरत शिक्षकों के लिए शोध–अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा को केवल डिग्री अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य के समग्र विकास की धुरी मानती है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी राज्य के शिक्षा तंत्र में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक दृष्टिकोण का समावेश करेगी और युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने इस एमओयू को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की भावना के अनुरूप बताते हुए कहा कि यह बहुआयामी अधिगम, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को गति देगा। उन्होंने वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के साथ प्रदेश की पूर्व सहभागिता का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मोनाश यूनिवर्सिटी के साथ यह गठबंधन शिक्षा के वैश्विक मानकों की ओर एक और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग का केंद्र गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय होगा, जो इस साझेदारी को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के कुलपति को इस उत्तरदायित्व का सफल निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

सरकारी जमीन पर बना था मदरसा

ग्रामीणों संग कमेटी ने खुद से कराया ध्वस्त

महाराजगंज। नेपाल–भारत जुड़े सीमाओं पर अवैध बने मदरसों की चिन्हांकन किया जा रहा है। अवैध मदरसों के संबंध में नोटिस देकर स्पष्टीकरण भी तलब किया जा रहा है। इसी बीच बुधवार को महराजगंज में सरकारी जमीन पर बने मदरसे को कमेटी और गांव वालों ने खुद तोड़ दिया। भारत नेपाल सीमा वर्ती क्षेत्रों में सरकारी जमीनों पर बने अवैध मदरसा व ईदगाह को हटाने की नोटिस के बाद ग्रामीण खुद जागरूक दिखे। जहां नोटिस मिलते ही मदरसा को ग्रामीणों ने खुद हटा लिया। फरेंदा तहसील क्षेत्र के मैनहवां ग्राम सभा में मुस्लिम समुदाय ने सरकारी जमीन बनी अवैध मदरसा को नोटिस मिलने के बाद कमेटी के सदस्यों ने निर्णय लेने के बाद खुद हटा दिया। लोगों ने बताया कि मदरसा काफी दिनों से संचालित रही। सरकार के जारी फरमान के बाद गांव के लोगों ने मदरसा को हटाया है। इसके पहले भी कई गांवों में सरकारी जमीन पर बने मदरसे व ईदगाह को हटाया गया है।

कथित भाजपा नेता के जनसेवा केंद्र पर बनाए जा रहे थे फर्जी आधार–पैन कार्ड

बरेली। सीबीगंज क्षेत्र में मिलिट्री इंटेलिजेंस के इनपुट पर एसओजी और थाना पुलिस ने बुधवार को गांव महेशपुर स्थित एक जनसेवा केंद्र पर छापा मारा। यहां फर्जी आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, हाईस्कूल व इंटरमीडिएट मार्कशीट, ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का धंधा चल रहा था। पुलिस ने मौके से लैपटॉप, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोहरें आदि सामान बरामद किया है। बरेली में खुद को भाजपा का सीबीगंज मंडल महामंत्री एवं अखिल भारतीय पटवा वैश्य महासभा का जिलाध्यक्ष बताने वाले मुकेश देवल के जनसेवा केंद्र पर फर्जी प्रमाण पत्र बनाए जा रहे थे। आर्मी इंटेलीजेंस, एसओजी, सीबीगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारा तो फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। कथित भाजपा नेता अपने भाई के साथ मिलकर जनसेवा केंद्र की आड़ में फर्जीवाड़ा कर रहा था। आरोपी मुकेश देवल ने अपनी फेसबुक प्रोफाइल पर खुद को भाजपा के सीबीगंज मंडल का महामंत्री लिख रखा है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

रेलवे में फर्जीवाड़ा–रेल अफसर का लगाया फर्जी लेटर हेड...

दलाल ने लिखा– लीज अलाट, ऐसे आया पकड़ में

गोरखपुर। विजिलेंस ने ट्रेन में चेकिंग कर और यात्री से पूछताछ की तो मामला सामने आ गया। विजिलेंस ने एक दलाल को पकड़ा है, जिससे पूछताछ चल रही है। जल्द ही बड़ा खुलासा हो सकता है। ट्रेनों में कंफर्म सीट पाने के लिए दलालों ने अब एचओ (हेड ऑफिस) कोटे में सेंधमारी कर ली है। रेल अफसरों के फर्जी लेटरहेड पर सीट कंफर्म करा रहे हैं। गोरखपुर–यशवंतपुर एक्सप्रेस में बीते दिनों एक मामला पकड़ा गया है। दलाल ने बकायदा फर्जी पैड पर अफसर बनकर प्लीज अलॉट लिखकर अलग से मार्किंग भी कर दी थी।

लेकिन, अधिकारी का हस्ताक्षर पहचानने वाले अलॉट अफसर ने टिकट कंफर्म करके तत्काल विजिलेंस को सूचना दे दी। विजिलेंस ने ट्रेन में चेकिंग कर और यात्री से पूछताछ की तो मामला सामने आ गया। विजिलेंस ने एक दलाल को पकड़ा है, जिससे पूछताछ चल रही है। जल्द ही बड़ा खुलासा हो सकता है। गर्मी की छुट्टियां होने और सहालग के चलते ट्रेनों में इन दिनों जबरदस्त भीड़ है। इसका फायदा उठाते हुए दलाल टिकट कंफर्म कराने के नाम पर मनमाना वसूल रहे हैं। एचओ कोटा से फर्जी पैड पर टिकट कंफर्म कराने का मामला पहले भी पकड़ा गया था, लेकिन अब तक तक सांसदों के पैड का ही इस्तेमाल किया गया था। पहली बार रेल अधिकारी के फर्जी पैड का इस्तेमाल पकड़ा गया है। जानकारी के मुताबिक, पांच दिन पहले एक वाणिज्य अधिकारी की नजर ऐसे ही पैड पर पड़ी। कोटा अलॉट करते समय उन्हें जब पैड पर संदेह हुआ तो उन्होंने गिरोह को पकड़वाने के लिए विजिलेंस को सूचना दे दी। उन्होंने कोटा अलॉट कराकर पूरी जानकारी विजिलेंस विभाग को दी। विजिलेंस की टीम ट्रेन में पहुंची और यात्री से पूछताछ की। यात्री से पूछताछ के बाद टीम ने एक दलाल को पकड़ लिया है, अभी उससे पूछताछ चल रही है। विजिलेंस को शक है कि इस मामले में विभागीय लोग भी मिले हुए हैं। फिलहाल, पूरे मामले की जांच विजिलेंस के अधिकारी कर रहे हैं। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि जिन विभागों से लेटर हेड आ रहा है, वहां संपर्क करके हकीकत के बारे में पता किया जा रहा है।

क्रॉस चेक कर रहे कोटा अलॉटिंग अफसर

रेलवे के वाणिज्य विभाग में अब कोटा अलॉट करने वाले अफसर लेटर हेड की क्रॉस चेकिंग करवा रहे हैं। वहीं, रेल अधिकारी भी विभाग में रजिस्टर बनवा लिए हैं, ताकि जिसका टिकट कंफर्म होने के लिए भेज रहे हैं, उसकी डिटेल उनके पास मौजूद रहे। यही नहीं, पिछले कुछ दिनों में आए लेटर हेड की भी निगरानी की जा रही है। एचओ कोटा में आने वाले आवेदनों को समय–समय पर क्रॉस चेक कराया जा रहा है। फर्जीवाड़ा में जो भी संलिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रेलवे बोर्ड ने एचओ कोटा में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। अब अधिकारी को लिखित आवेदन के साथ अपना नाम, पद, मोबाइल नंबर आदि का ब्योरा देना है। हर अफसर को रजिस्टर मेंटेन करना है, ताकि कभी चेक किया जा सके।

पहले भी आ चुके हैं मामले

16 जुलाई 2022 : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्रांच (सीआइबी) और सतर्कता संगठन (विजिलेंस) की संयुक्त टीम ने सांसदों के पैड पर रेलवे का वीआईपी कोटा आवंटित कराने वाला दलाल पकड़ा था। दलाल यात्रियों से पांच सौ से एक हजार रुपये लेकर सांसदों के पैड का इस्तेमाल कर वेटिंग टिकट रेलवे के वीआईपी कोटे से कन्फर्म कराता था। टीम ने उसके मोबाइल से गोरखपुर सदर, बांसगांव और खलीलाबाद के सांसद का 35 पैड और 8880 रुपये नकद बरामद किया। वह प्रति टिकट 1000 से 1500 रुपये लेता था। टीम ने आरोपी सत्येंद्र पाल के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भिजवा दिया।

17 जून 2021 : आरपीएफ ने एक टिकट एजेंट और एक दलाल को पकड़ा था। दलाल के पास से सांसदों के 13 फर्जी लेटर हेड मिले। दलाल ने लखनऊ से मुंबई जाने वाली पुष्पक ट्रेन में सांसद (राज्यसभा) एनसीपी महाराष्ट्र देवीप्रसाद त्रिपाठी के लेटर पैड पर पुष्पक एक्सप्रेस के स्लीपर में टिकट कंफर्म कराने के लिए इमरजेंसी कोटा लगाया।

लेटर पैड को डीआरएम दफ्तर में लगे ड्रॉप बाक्स में डाल दिया। जब रेलवे अफसरों ने लेटर पैड की जांच की तो उस पर लिखे मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया। लेकिन, कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद यात्रियों से जांच टीम ने ट्रेन में संपर्क किया, जहां बातचीत में यह बात सामने आई कि ठाकुरगंज निवासी आईआरसीटीसी एजेंट सैय्यद सलीम हुसैन से टिकट करवाया गया है। उसे आरपीएफ की टीम ने पकड़ा। उसके पास से 51 टिकट और 32,800 रुपये बरामद हुए। दूसरी तरफ पकड़े गए जालसाज पंकज सिंह कुशवाहा के पास से 13 लेटरपैड बरामद किए गए, जो पांच अलग–अलग नेताओं के नाम पर थे।

साल्वर ने एग्जाम दिया, जाइन करने के लिए दस्तावेज देते ही खुली पोल, आरोपी का छत्तीसगढ़ है कनेक्शन

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पुलिस ने एसएसबी भर्ती में सॉल्वर बैठाकर परीक्षा पास करने वाले आरोपी को दबोच लिया है। एसएसबी के अधिकारी ने चिलुआताल थाने में केस दर्ज कराया है। चिलुआताल थाना प्रभारी अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी को मंगलवार की देर रात फर्टिलाइजर परिसर से गिरफ्तार कर लिया गया। चिलुआताल पुलिस ने पिछले साल हुई एसएसबी भर्ती में सॉल्वर बैठाकर परीक्षा पास करने के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी पहचान छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के कबीरधाम थाना क्षेत्र के घोटिया गांव निवासी ऋषभ सिंह के रूप में हुई। आरोपी को दिल्ली एसएसबी मुख्यालय से नियुक्ति पत्र मिला था। उसने एसएसबी कार्यालय गोरखपुर में जॉइन करने के लिए दस्तावेज लगाए थे। वहां फोटो और अंगूठा मिलान में उसकी पोल खुल गई। जानकारी के मुताबिक, चिलुआताल इलाके के फर्टिलाइजर परिसर स्थित एसएसबी कैंप कार्यालय के दंडपाल जय प्रकाश आर्या ने पुलिस को तहरीर देकर मंगलवार को केस दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि पिछले साल एसएसबी भर्ती परीक्षा हुई थी। इसे पास करने के बाद मुख्यालय दिल्ली से सामान्य वर्ग में आरक्षी पद पर ऋषभ सिंह का बलरामपुर की नौवीं वाहिनी के लिए नियुक्ति पत्र जारी किया गया था।

बरेली में जारी है चोरी छिपे रह रहे बांग्लादेशी रोहिंग्या की तलाश

तीसरे दिन 848 लोगों से पूछताछ, 71 मिले संदिग्ध

संवाददाता, बरेली। बरेली पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों को खोजने के लिए 15 दिनों का अभियान शुरू किया है। 88 स्थानों पर जांच की गई और 848 लोगों से पूछताछ हुई जिनमें से 71 संदिग्ध पाए गए। गहन जांच के बाद उनके विदेशी होने की पुष्टि नहीं हुई। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि अभियान 10 जून तक चलेगा।

जिले में चोरी छिपे रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या को देश से निकालने के लिए पुलिस ने 15 दिन का अभियान शुरू किया। पुलिस ने जिले के 88 स्थानों पर चेकिंग की और वहां रहने वाले 848 लोगों से पूछताछ की प्रारंभिक पूछताछ में 71 लोग ऐसे मिले जो संदिग्ध लगे लेकिन गहनता से पूछताछ के बाद उनकी बांग्लादेशी या रोहिंग्या होने की कोई पुष्टि नहीं हो सकी। जिसकी वजह से आगे की कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि 15 दिनों के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। हर थाना क्षेत्र से एक–दो टीमें अपने थाना क्षेत्र में ऐसे लोगों की तलाश कर रही हैं। जो संदिग्ध है। उनका डाटा एकत्र किया जा रहा है, जिस व्यक्ति के बांग्लादेशी या रोहिंग्या होने की आशंका होगी उनका सत्यापन होगा।

सभी थाना क्षेत्रों की टीमें सुबह और शाम के समय में यह सत्यापन कर रही हैं। अभियान के दौरान मिलने वाले संदिग्ध लोगों को एक डेपोटेशन सेंटर में रखा जाएगा। वहां से उन्हें तभी निकाला जाएगा जब उनका सत्यापन पूरा होगा। सत्यापन में यदि उनके बांग्लादेशी या रोहिंग्या होने की पुष्टि होती है तो उनका देश निकाला किया जाएगा। अभियान के तीसरे दिन जिले के सभी थाना क्षेत्र में कुल 88 स्थानों पर 848 लोगों से पूछताछ की गई। इसमें 71 लोग ऐसे मिले। जिन पर पुलिस को संदेह हुआ मगर जब इनकी गहनता से जांच की गई तो पुष्ट हुआ कि वह बांग्लादेशी या रोहिंग्या नहीं हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि अभी तक जिले में एक भी बांग्लादेश या रोहिंग्या होने की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि, यह अभियान 10 जून तक जारी रहेगा।

भोजपुर में बिना अनुमति बनाया जा रहा धार्मिक स्थल ध्वस्त किया

चप्पे–चप्पे पर तैनात रही फोर्स

सहारनपुर। गांव में तीन भाई धार्मिक स्थल का निर्माण करा रहे थे। नोटिस दिया गया तो उन्होंने काम रुकवाने पर सहमति जता दी। अब लिंटर डालने की तैयारी चल रही थी। भारी फोर्स की मौजूदगी में निर्माण को ढहा दिया गया। चिलकाना के गांव भोजपुर तगा में अवैध रूप से बनाए जा रहे धार्मिक स्थल को जिला प्रशासन एवं पुलिस ने जिला पंचायत के आदेश पर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। मौके पर एसडीएम सदर, एसपी, आरआरएफ, पीएसी सहित जिले के कई थानों की पुलिस मौजूद रही। ग्रामीणों ने ध्वस्तीकरण का विरोध नहीं किया।

गांव में चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रही। भोजपुर तगा के इस्तखार, नदीम और एहतशाम पुत्रगण मुख्तार गांव के बाहरी छोर पर अपनी भूमि पर मस्जिद का निर्माण कर रहे थे। सूचना पुलिस को मिली तो तत्कालीन थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे थे और निर्माण कार्य बंद करा दिया था।

10 हजार के इनामिया बदमाश सहित चार लुटेरे गिरफ्तार

10 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार बदमाश के पास से हथियार बरामद अन्य लूट की घटनाओं का खुलासा

संवाद सूत्र, बहरिया। प्रयागराज के बहरिया में मंगलवार को बहरिया पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। बिजलीपुर नहर पुलिया के पास से चार लुटेरों को दबोच लिया। इसमें 20 मई को बहरिया के कनेहटी और थरवई के मलेथू सीमा पर रिकवरी एजेंट से हुई 85,700 की लूट का मुख्य आरोपित 10 हजार रुपये का इनामिया रवि पटेल भी पकड़ा गया। इसके पास से 20 हजार नकद, एक 315 बोर का तमंचा, लूट मे प्रयुक्त बाइक भी बरामद हुई। इसी प्रकार गिरफ्तार एक 10 मई को मऊआइमा के व्यापारी से एक लाख 10 हजार की हुई लूट का वांछित है। बहरिया थाना अध्यक्ष महेश मिश्रा को सूचना मिली कि बिजली गांव के नहर की पुलिया के पास चार बदमाश मौजूद हैं। पुलिस टीम के वह वहां पहुंचे तो दो बाइक पर सवार चार लोग पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें दौड़ा का दबोच लिया गया। थाने लाकर सभी से पूछताछ चालू हुई तो पता चला कि इन्हीं में 10 हजार का इनामिया बदमाश थरवई थाना क्षेत्र के भुलई का पूरा गांव निवासी रवि पटेल भी मौजूद है। उसके पास से 20 हजार नगद, एक तमंचा व लूट में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई। यह बाइक कनेहटी मनेथू सीमा पर हुई लूट में शामिल चौथे आरोपी अश्वनी भारतीय के बहन के नाम पर है।

सोरांव थाना क्षेत्र के कमला नगर निवासी आदित्य सिंह पुत्र दारा सिंह के पास से तीन बम, 13,400 लगदी बरामद हुई। थरवई क्षेत्र के बेलवा गांव निवासी सचिन यादव पुत्र हरिश्चंद्र यादव के पास से तीन बम 15,600 नकदी बरामद की गई। थरवई क्षेत्र के पूरे चंदा गांव निवासी सूरजपाल पुत्र राजकुमार पाल के पास एक तमंचा 315 बर व कारतूस एवं 18,500 लगदी बरामद की गई।

वायरल वीडियो मामले में भाजपा नेता ने पार्टी नेतृत्व को दी सफाई

लखनऊ,संवाददाता। भाजपा के गोंडा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने वायरल वीडियो के मामले में पार्टी नेतृत्व को स्पष्टीकरण दिया और मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। भाजपा जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष व महिला कार्यकर्ता के वायरल वीडियो के मामले में एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। बुधवार की रात जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने लखनऊ पहुंचकर पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इसके बाद मांगे गए स्पष्टीकरण का जवाब दिया है साथ ही वीडियो लीक मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है। बकौल जिलाध्यक्ष ने कहा कि हमने पार्टी नेतृत्व को पूरे प्रकरण से अवगत करा दिया है। हरेक बिंदु की जानकारी दे दी है। साथ ही पार्टी कार्यालय का वीडियो लीक करने के मामले की जांच कराने की मांग की है। इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। ऐसे लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाय।

विवेचक ने मांगी केस डायरी

वीडियो वायरल मामले की जांच कर रहे मनकापुर इंस्पेक्टर मनोज पाठक ने छपिया पुलिस से केस डायरी की मांग की है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी साथ ही अन्य बिंदुओं पर फोकस किया जाएगा।

क्या था मामला

25 मई को सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यालय का 12 अप्रैल की रात करीब साढ़े नौ बजे का भाजपा जिलाध्यक्ष व महिला कार्यकर्ता का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने कहा था कि वीडियो में वह एक महिला कार्यकर्ता के साथ हैं।

सीएम योगी ने विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया शुभारंभ

बोले– मोदी सरकार में किसान सरकार के एजेंडे में आए

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अलग–अलग विभाग के अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू हो रहा है। यह कई मामले में अहम है। पहली बार वैज्ञानिक गांव में जा रहे हैं। आज से 12 जून तक चलने वाला अभियान विकसित भारत के अभियान की अवधारणा को पूरा करेगा। इस अभियान के तहत किसानों को आधुनिक खेती के तरीके समझाए जाएंगे। इससे समृद्धि आएगी। 11 साल में पूरे देश में खेती में नवाचार हुआ है। एमएसपी तय हुई है। किसानों को अच्छे बीज मिल रहे हैं। लैब टू लैंड अभियान शुरू हो रहा है। यह देश की तस्वीर बदलेगा। कृषि वैज्ञानिक सम्बंधित क्षेत्र में क्लाइमेटिक जोन का भी आकलन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को लखनऊ के लोकभवन में विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत कृषि विभाग, उद्यान विभाग और पशुपालन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी गांव में जाकर योजनाओं की जानकारी देंगे और किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यूपी की आठ साल की सरकार ने खेती के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं। यूपी 10 फीसदी कृषि भूमि में देश के लिए 22 फीसदी उत्पादन करता है लेकिन पिछली सरकारों ने किसानों को अपने एजेंडे से बाहर कर दिया। बीज, खाद और पानी के लिए किसान परेशान रहे। अब बदलाव हो रहा है। प्रधानमंत्री के एजेंडे में किसान हैं इसलिए मृदा हेल्थ कार्ड बन रहा है। किसान समृद्धि योजना का लाभ मिल रहा है। गेहूं का दाम 2015 तक एक हजार मिलता था अब 2400 से 2800 तक मिल रहा है। ये किसान के जीवन में बदलाव का उदाहरण है। किसानों को 2.50 हजार करोड़ का पानी मुफ्त में दिया जा रहा है।

इसके पहले, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप सिंह शाही ने कहा कि चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर यह अभियान शुरू हो रहा है। वह निरंतर किसानों की उन्नति के लिए तत्पर रहे। अभियान के दौरान माइक्रो सिंचाई की तकनीक दी जाएगी। सभी विभाग मिलकर 15 दिन तक कार्य करेंगे। हर दिन किसानों से संवाद होगा। लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। किसानों को आधुनिक खेती और प्राकृतिक खेती के तरीके समझाए जाएंगे। नवाचार करने वालों किसानों की कहानी अन्य किसानों को बताई जाएगी।

विधवा पेंशन ले रही थीं सुहागिन महिलाएं

बरेली। मामला खुलने के बाद अब उनसे वसूली के लिए नोटिस जारी हुए हैं। 26 महिलाओं से रिकवरी भी कर ली गई है। इसके बावजूद विभाग मामले को दबाने में जुटा है। जिले की 61 सुहागिनों ने महिला कल्याण विभाग की व्यवस्था में सेंध लगा दी। वे छह साल से विधवा पेंशन लेती रहीं और जिम्मेदार सोते रहे। कई मामलों में एक ही परिवार की कई सुहागिनें योजना का लाभ लेती रहीं। आलमपुर जाफराबाद ब्लॉक के गांव भीमपुर में जेठानी–देवरानी भी विधवा पेंशन ले रही हैं, जबकि दोनों सुहागिन हैं। यह स्थिति तब है, जबकि हर साल सत्यापन की व्यवस्था है। मामला खुलने के बाद अब उनसे वसूली के लिए नोटिस जारी हुए हैं। 26 महिलाओं से रिकवरी भी कर ली गई है। इसके बावजूद विभाग मामले को दबाने में जुटा है। फिलहाल, जिले में 97 हजार लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल रहा है। हाल ही में आंवला तहसील के गांवों में विधवा पेंशन ले रहीं 27 सुहागिनों के नाम आरसी जारी हुई है। वर्ष 2023 में भी इसी तहसील की 34 सुहागिनों को आरसी जारी हुई थी। कुल 61 अपात्र महिलाओं से 23.86 लाख रुपये पेंशन राशि की वसूली के लिए कार्रवाई शुरू की गई है। एक–एक लाभार्थियों से 14 से 69 हजार रुपये तक की वसूली होनी है। फिलहाल, इस घोटाले ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक योजना में बिचौलिये हावी हैं। जिम्मेदार भी नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। यह रिकवरी तो बानगी मात्र है, जिले में विधवा पेंशन योजना में कई करोड़ रुपये अपात्रों को जारी हुए हैं।

डीपीओ बोलीं, 26 से करा चुके वसूली

जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा ने 15 मई को डीएम को पत्र लिखा था। इस पर तहसीलदार आंवला को अपात्रों से रिकवरी के आदेश जारी हुए हैं।

रामपथ और 14 कोसी मार्ग पर नहीं बिकेगा नानवेज

लखनऊ,संवाददाता। अयोध्या के प्रमुख धार्मिक मार्गो पर अब नॉनवेज की बिक्री नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह कार्रवाई हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब रामपथ, धर्मपथ, भक्तिपथ, 14 कोसी परिक्रमा मार्ग और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर अब नॉनवेज नहीं बिकेगा। सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद सिंह बुधवार शाम टीम के साथ राम मंदिर से जुड़े इन सभी पथ और मार्गों के भ्रमण पर निकले। अयोध्या कैंट के सहादतगंज से अयोध्या धाम के लता मंगेशकर चौक तक 13 किमी लंबे रामपथ का निरीक्षण किया। इस दौरान नॉनवेज बेचने वाले दुकान मालिकों को सख्त हिदायत दी। सभी नॉनवेज बेचने वाले दुकानदारों से कहा गया कि सात दिन के अंदर अपनी दुकानें बंद कर दें। सात दिन के अंदर दुकान नहीं बंद हुई तो नगर निगम का प्रवर्तन दल की ओर से कार्रवाई होगी। बताया कि दुकानों में सामान होने की वजह से मानवतावश दुकानदारों को समय दिया गया है। सीएम पोर्टल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े इन पथों और मार्गों पर नॉनवेज बेचने की शिकायत हुई थी। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी की पहल पर नगर निगम भी इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर चुका है।

रोज होगा मंदिरों में पूजन, जनता दर्शन विचाराधीन

राम जन्मभूमि परिसर के देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा के बाद रोजाना पूजन–अर्चन का क्रम शुरू हो जाएगा, लेकिन जनता दर्शन कब से होगा यह विचाराधीन है। परिसर के देवालयों में श्रद्धालुओं को दर्शन–पूजन की अनुमति अभी नहीं दी जाएगी। वहीं यह तय है कि राम मंदिर के प्रथम तल पर विराजमान होने जा रहे राम दरबार के दर्शन के लिए सीमित संख्या में श्रद्धालु जा सकेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के बाद देवालयों में पूजन के लिए 14 पुजारियों की और नियुक्ति की जा रही है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि पहले हमारी योजना थी कि पांच जून को प्राण प्रतिष्ठा के बाद देवालयों को दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा, लेकिन अभी ऐसा करना संभव नहीं है। इन मंदिरों में दर्शन–पूजन की सुविधा के लिए श्रद्धालुओं को अभी इंतजार करना पड़ेगा। परकोटा के चारों कोनों को आपस में जोड़ने का काम अभी बाकी है। परकोटा के कोर्टयार्ड में अभी पत्थरों का मलबा पड़ा है, इसे भी हटाने का काम बाकी है। वहीं राम मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार के दर्शन के लिए सीमित संख्या में लोगों के जाने की व्यवस्था की जाएगी। हर घंटे 50 लोगों को जाने की अनुमति होगी। एक दिन में करीब आठ सौ लोगों को दर्शन कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण का काम पूरा हो चुका है। शिखर को स्वर्ण जड़ित किया जा चुका है। सभी मंदिरों के शिखर पर कलश व ध्वज दंड लगाए जा चुके हैं। मुख्य मंदिर के ऊपर राम दरबार के ऊपरी कलश व शिखर को स्वर्ण जड़ित किया जा चुका है। परकोटा, सप्तमंडपम के मंदिरों में दरवाजे लग चुके हैं। अब केवल परकोटा निर्माण का काम बाकी है, यह सितंबर तक पूरा हो जाएगा।

यूपी के इस जिले में बुलडोजर से ताबड़तोड़ कार्रवाई

भाजपा और रालोद नेताओं समेत कई के अवैध निर्माण ध्वस्त

मुरादाबाद विकास प्राधिकरण ने टीएमयू के पास अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करते हुए कई ढाबों और बिरयानी सेंटरों को ध्वस्त कर दिया। इन प्रतिष्ठानों में बिस्मिल्ला बिरयानी सेंटर नईम टी स्टाल और जुबली ढाबा शामिल थे जो बिना अनुमति के चल रहे थे। एमडीए उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने कहा कि अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नागरिकों से निर्माण से पहले अनुमति लेने की अपील की।

संवाददाता, मुरादाबाद। एमडीए ने दिल्ली रोड पर टीएमयू से पहले अवैध रूप से निर्माण कराकर संचालित हो रहे ढाबों, बिरयानी सेंटर और टी स्टालों को ध्वस्त करा दिया। जो अवैध निर्माण ध्वस्त हुए हैं, उनमें भाजपा नेता एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य वीर सिंह एडवोकेट व रालोद नेता एवं पूर्व विधायक जाहिद हुसैन अंसारी का नाम भी शामिल है। हालांकि, पूर्व सांसद वीर सिंह का कहना है कि छह माह पहले एमडीए का नोटिस मिला था। तभी जवाब दाखिल कर ढाबा खत्म करा दिया गया था। सिर्फ छोटी सी ट्यूबवेल की कोठी बची थी। पूर्व विधायक जाहिद हुसैन का पक्ष लेने को फोन किया गया, मगर जवाब नहीं मिला। प्राधिकरण को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि टीएमयू के आसपास दिल्ली रोड पर बिना किसी अनुमति के व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जा रही थीं। न तो इन दुकानों के लिए नक्शा पास कराया गया था, न ही किसी प्रकार की अनुमति ली गई थी। इस पर एमडीए उपाध्यक्ष अनुभव सिंह ने टीम गठित की।

सौ वर्ग मीटर क्षेत्र में बनी थी दुकान

एमडीए के अनुसार, जांच में पता चला कि दिल्ली रोड पर टीएमयू के पास बिस्मिल्ला बिरयानी सेंटर हाजी शहीद द्वारा संचालित किया जा रहा है। यह दुकान लगभग 100 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनी थी। इसी परिसर में नईम टी स्टाल व एक और अवैध निर्माण सामने आया। अहमद बिरयानी की दुकान भी हाजी शहीद द्वारा चलाई जा रही थी। साहिल टी स्टाल का भी अवैध रूप से संचालन मिला।

मोदी ने किसानों को दी खुशखबरी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने अपनी कैबिनेट बैठक में 5 बड़े फैसले लिए हैं। इसमें खरीफ की फसलों पर एमएसपी बढ़ाने से लेकर आंध्र प्रदेश में फोरलेन हाईवे के निर्माण को मंजूरी और किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए कम ब्याज पर ऋण की योजना को मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने खरीफ की फसलों पर लागत से 50 फीसदी अधिकर एमएसपी को मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने बीते 10 साल में लगातार एमएसपी में बढ़ोतरी की है और हालिया फैसले से 7 करोड़ से अधिक किसानों को फायदा होगा।

मोदी सरकार ने कैबिनेट बैठक में खरीफ फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी करने का बड़ा फैसला लिया है। इसके साथ ही आंध्र प्रदेश में फोरलेन हाईवे के निर्माण को भी मंजूरी दी गयी है। सरकार किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण भी उपलब्ध कराएगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार एमएसपी में वृद्धि से 7 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ होगा।

बडवेल–नेल्लोर राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी
रेलवे के दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी
खरीफ की फसलों पर एमएसपी का एलान

खरीफ की फसलों पर एमएसपी

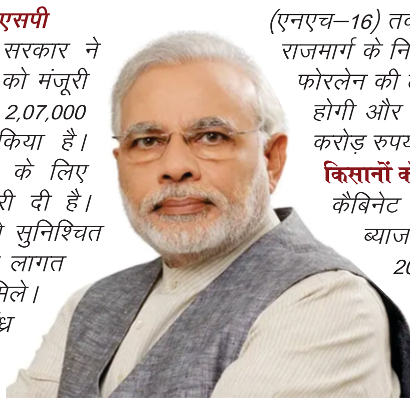

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने खरीफ की फसलों पर एमएसपी को मंजूरी दी है। इसके लिए सरकार ने 2,07,000 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। सरकार ने 14 खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने ये सुनिश्चित किया है कि किसानों को उनकी लागत के ऊपर न्यूनतम 50: मार्जिन मिले। इसके अलावा कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश में बडवेल–गोपावरम गांव (एनएच–67) से गुरुविंदपुडी (एनएच–16) तक फोरलेन बडवेल–नेल्लोर राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। इस फोरलेन की लंबाई 108.134 किलोमीटर होगी और इसके निर्माण में 3653.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

किसानों को आसानी से मिलेगा ऋण

कैबिनेट ने वर्तमान 1.5 प्रतिशत ब्याज छूट के साथ वित्त वर्ष 2025–26 के लिए संशोधित ब्याज छूट योजना (एमआईएसएस) को जारी रखने को मंजूरी दी है। बता दें कि संशोधित ब्याज छूट योजना का उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके अलावा कैबिनेट ने भारतीय रेलवे के दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी, जो महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में लागू की जाएंगी। इसमें रतलाम और नागदा के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन और वर्धा व बल्लारशाह के बीच चौथी रेल लाइन की परियोजना शामिल है।

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के चार जिलों को कवर करने वाली इन दोनों परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 176 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

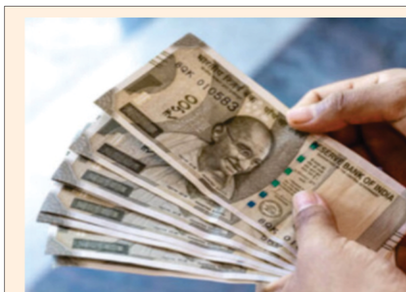

16 साल नौकरी कर चुके दरोगाओं को मिलेगा 5,400 रुपये का द्वितीय ग्रेड पे

यूपी पुलिस में 16 साल की सेवा पूरी कर चुके दरोगाओं को हाईकोर्ट से बड़ी सौगात मिली है। कोर्ट ने द्वितीय वेतनमान देने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। इस संबंध में छह माह फैसला लेने का निर्देश दिया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की पूरी कहानी PAK वायुसेना को हुआ भारी नुकसान

प्रोफेसर अली खान मामला

दाएं–बाएं जाने की जरूरत नहीं कोर्ट में सिब्बल की तीखी बहस

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में फेसबुक पोस्ट में विवादित टिप्पणी के आरोपी अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान की केस के संबंध में कोई भी टिप्पणी न करने की जमानत शर्त में बदलाव करने से बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा, उनके लिखने, बोलने या अभिव्यक्ति की आजादी पर कोई रोक नहीं है। वह लिख सकते हैं, बोल सकते हैं, लेकिन वह इस मामले में दर्ज एफआईआर के बारे में कोई टिप्पणी या ऑनलाइन पोस्ट नहीं करेंगे। यानी की जो शर्त कोर्ट ने पहले लगाई थी, वह अभी जारी है। इसके साथ ही कोर्ट ने एसआईटी को जांच जारी रखने और अगली सुनवाई पर रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश देते हुए अली खान की अंतरिम जमानत बढ़ा दी है। हालांकि कोर्ट ने एसआईटी से कहा है कि जांच दर्ज दो एफआईआर तक ही सीमित रहेगी, उसका दायरा नही बढ़ा सकते।श

नोटिस पर दिये गए जवाब

ये आदेश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की पीठ ने सुनवाई के दौरान दिए। कोर्ट ने पुलिस से अली खान की गिरफ्तारी के बारे में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा भेजे गए नोटिस पर दिये गए जवाब को भी पूछा है। अगली तारीख पर पुलिस इस बारे में भी कोर्ट को बताएगी।

हरियाणा पुलिस ने किया था गिरफ्तार

अली खान को पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकियों से निबटने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में फेसबुक पोस्ट में टिप्पणी की थी। इस पर अली खान के खिलाफ हरियाणा में दो एफआईआर दर्ज हुई हैं और हरियाणा पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने आपरेशन सिंदूर पर सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में हरियाणा के अशोका विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख अली खान महमूदाबाद को दी गई अंतरिम जमानत जुलाई तक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने एसआईटी की जांच के दायरे को भी सीमित कर दिया और कहा कि जांच दो एफआईआर तक ही सीमित होनी चाहिए।

कोर्ट में रिपोर्ट देने के आदेश

अली खान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए एफआईआर रद करने की मांग की है। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने अली खान को अंतरिम जमानत दे दी थी, लेकिन मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर जांच करने और कोर्ट को रिपोर्ट देने के आदेश दिया था।

दो एफआईआर तक ही जांच सीमित

बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि एसआईटी गठित हुई है और वह जांच कर रही है। तलाशी जब्ती आदि की बात हुई। तभी अली खान की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जांच का दायरा बढ़ाए जाने का मुद्दा उठाया। जिस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एसआईटी मौजूदा मामले में दर्ज दो एफआईआर तक ही जांच सीमित रखेगी।

टिप्पणी या आनलाइन पोस्ट

कोर्ट ने कहा कि दाएं–बाएं जाने की जरूरत नहीं है। इन्हीं दो दर्ज एफआईआर पर ध्यान केंद्रित कीजिए। कोर्ट ने एसआईटी को अगली तारीख पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। तभी कपिल सिब्बल ने कोर्ट के पिछले आदेश में अली खान के मामले के बारे में कोई भी टिप्पणी या ऑनलाइन पोस्ट करने पर लगाई गई रोक पर ढिलाई देने की मांग की।

कोर्ट का आदेश देने से इनकार

हालांकि, कोर्ट ने कहा कि उनका आदेश स्पष्ट है, उसमें सिर्फ मौजूदा दो एफआईआर के मामले में टिप्पणी करने पर रोक लगाई गई है, बाकी उनकी अभिव्यक्ति लिखने बोलने पर कोई रोक नहीं है। जब सिब्बल बार–बार अनुरोध करते रहे तो कोर्ट ने फिलहाल कोई भी आदेश देने से इनकार करते हुए कहा कि अभी इसे रहने दीजिए अगली तारीख पर देखेंगे। कोर्ट ने अली खान की अंतरिम जमानत बढ़ाते हुए मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए लगाने का आदेश दिया।

अली खान के खिलाफ पहला मामला योगेश जठेरी की शिकायत पर दर्ज किया गया था और दूसरा मामला हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की शिकायत पर दर्ज हुआ है।

भारत बनाएगा 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान

दिल्ली,एजेंसी। जिस पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की बात चल रही है, वह आखिर होता क्या है? भारत किस तरह के लड़ाकू विमान को बनाने की तैयारी कर रहा है? यह भारतीय वायुसेना के मौजूदा लड़ाकू विमानों से कितना अलग होगा? इसके अलावा फिलहाल किन देशों के पास पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं? भारत के अलावा कौन से देशों में इस तरह के फाइटर जेट बनाने की तैयारियां जारी हैं? भारत के पिछले प्रोजेक्ट्स के मुकाबले ताजा परियोजना कितनी अलग होगी? भारत के पहले पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान– एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) को विकसित करने के कार्यक्रम को मंजूरी मिल गई है। इससे पहले पिछले साल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने पांचवीं पीढ़ी के मल्टीरोल फाइटर जेट विकसित करने के लिए 15 हजार करोड़ रुपये के कार्यक्रम को मंजूरी दी थी। पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान बनते ही हम उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएंगे, जिनके पास वायुसेना में दुनिया की सबसे आधुनिक तकनीक के फाइटर जेट मौजूद हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर जिस पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की बात चल रही है, वह आखिर होता क्या है? भारत किस तरह के लड़ाकू विमान को बनाने की तैयारी कर रहा है? यह भारतीय वायुसेना के मौजूदा लड़ाकू विमानों से कितना अलग होगा? इसके अलावा फिलहाल किन देशों के पास पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं? भारत के अलावा कौन से देशों में इस तरह के फाइटर जेट बनाने की तैयारियां जारी हैं? भारत के पिछले प्रोजेक्ट्स के मुकाबले ताजा परियोजना कितनी अलग होगी?

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान क्या होते हैं?

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बनाए गए सबसे पहले फाइटर जेट्स को पहली पीढ़ी के लड़ाकू विमान कहा गया। इनमें सोवियत संघ का मिग–15 और अमेरिका का एफ–86 सेबर शामिल थे। इन लड़ाकू विमानों में पहली बार तेज उड़ान भरने में सक्षम जेट इंजन्स का इस्तेमाल हुआ। दूसरी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों ने पहली बार आवाज की गति से तेज उड़ने वाले लड़ाकू विमान दुनिया के सामने आए। तीसरी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में बेहतर रडार और हवा से हवा में मार करने की क्षमता के साथ हवा से जमीन पर सधे निशाने लगाने की क्षमता भी दिखाई गई। इन्हें ही लड़ाकू विमानों की दुनिया में मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट कहा जाता है। इसके बाद चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में ज्यादा आधुनिक हथियार लगाए गए।

करण जौहर की फिल्म में जान्हवी कपूर संग रोमांस करेगा ये एक्टर

'लग जा गले'

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में जान्हवी कपूर फिल्म 'होमबाउंड' के प्रीमियर के लिए कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुईं। इस फिल्म को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया। करण जौहर की एक और फिल्म 'लग जा गले' में भी जान्हवी नजर आएंगी। इस फिल्म में अपने एक्शन के लिए मशहूर हीरो जान्हवी के साथ रोमांस करेगा। जान्हवी कपूर ने अपने करियर की शुरुआत एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'धड़क' से की थी। इस फिल्म के प्रोड्यूसर करण जौहर थे। हाल ही में वह करण जौहर की फिल्म 'होमबाउंड' को लेकर भी चर्चा में रही हैं, इस फिल्म के प्रोड्यूसर भी करण जौहर हैं। जान्हवी अगले साल रिलीज होने वाली फिल्म 'लग जा गले' में नजर आएंगी, इसे भी करण जौहर ही प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में जान्हवी का हीरो कौन होगा? इसकी जानकारी भी मिली है।

इस एक्टर संग रोमांस करेंगी जान्हवी

पिंकविला के अनुसार एक्टर टाइगर श्रॉफ फिल्म 'लग जा गले' में जान्हवी कपूर के अपोजिट नजर आएंगे। यह दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ एक्टिंग कर रहे हैं। फिल्म को राज मेहता निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह एक बदला लेने वाली लव स्टोरी होगी। इस फिल्म में एक्शन भी खूब होगा।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इन दिनों टाइगर श्रॉफ फिल्म 'बागी 4' में व्यस्त हैं और जान्हवी कपूर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में व्यस्त हैं। दोनों जब इन फिल्मों से फ्री हो जाएंगे तो ही फिल्म 'लग जा लगे' की शूटिंग शुरू करेंगे। सूत्रों के अनुसार इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है।

टाइटल को कैसे चुना गया

जान्हवी कपूर की फिल्म 'लग जा गले' का टाइटल लंबे डिस्कशन के बाद तय किया गया। आखिर में 'लग जा गले' टाइटल फाइनल हुआ क्योंकि यह फिल्म की कहानी पर फिट बैठता है। यह फिल्म अगले साल यानी 2026 में रिलीज हो सकती है।

इन फिल्मों में भी जान्हवी आएंगी नजर

जान्हवी कपूर की अगली फिल्म 'परम सुंदरी' है। इस फिल्म में वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' नाम की फिल्म में भी जान्हवी कर रही हैं। इसके अलावा अगले साल रिलीज होने वाली एक साउथ फिल्म 'पेड्डी' में भी जाह्नवी अभिनय करती नजर आएंगी। इस फिल्म में वह राम चरण के साथ नजर आएंगी।

आदर जैन के बाद प्यार में फिर गिरफ्तार हुईं तारा सुतारिया

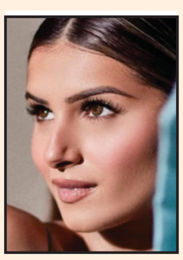

एंटरटेनमेंट डेस्क। एक्ट्रेस तारा सुतारिया की पर्सनल लाइफ को लेकर इन दिनों अफवाहों का बाजार गर्म है। ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस तारा सुतारिया अब सारा अली खान के एक्स को डेट कर रही हैं। बॉलीवुड में इन दिनों एक नए कपल के बनने की खबरें जोरों-शोरों से चल रही हैं। हाल ही में खबर आई हैं कि एक्टर वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते की ऑफिशियल पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक उनका रिश्ता अभी शुरुआती दौर में है।

एक दूसरे को डेट कर रहे तारा और वीर?

बॉलीवुड गलियारों में इन दोनों की डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। ई-टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों कुछ महीने पहले ही डेटिंग शुरू कर चुके हैं और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने की कोशिश कर रहे हैं। मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर दोनों को एक साथ देखा गया था, जिससे उनके बीच के कनेक्शन को लेकर कयास लगने शुरू हो गए।

भूमि पेडनेकर पर भड़के नेटिजंसय बोले- 'नो भूमि प्लीज'

एंटरटेनमेंट डेस्क। मई महीने की शुरुआती में ही द रॉयल्स वेब सीरीज का पहला सीजन रिलीज हुआ था। अब इसके दूसरे सीजन का भी एलान हो गया है, जिस पर नेटिजंस की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। करीब तीन हफ्ते पहले 09 मई को ईशान खट्टर, भूमि पेडनेकर जैसे कलाकारों से सजी वेब सीरीज द रॉयल्स रिलीज हुई थी। इसमें राजा-महाराजाओं के घरानों के मौजूदा हालात को दर्शाया गया था। इस सीरीज का प्रदर्शन कुछ ठीक नहीं रहा था और यह दर्शकों को कम पसंद आई थी। अब इस सीरीज के दूसरे सीजन की भी घोषणा हो गई है। नेटिजंस तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और कुछ तो अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भड़कते भी नजर आ रहे हैं। आइए जानते हैं।

जल्द आ रहा दूसरा सीजन

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर द रॉयल्स के दूसरे सीजन की घोषणा की है। आगामी सीजन का एक पोस्टर रिलीज किया गया है और उसमें कैप्शन भी दिया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'विरासत, नया खून और एक नया सीजन पर काम जारी है। द रॉयल्स सीजन 2 जल्द आ रहा है, केवल नेटफ्लिक्स पर।' इस एलान से जहां कुछ दर्शकों में काफी उत्साह हैं, तो वहीं कुछ नाखुश।

मनोरंजन की बौछार

दस्तक देंगी ये फिल्में, हाउसफुल रहेंगे थिएटर!

एंटरटेनमेंट डेस्क। जून का महीना दस्तक देने वाला है। मनोरंजन के शौकीनों को इस महीने में कई मजेदार फिल्में देखने को मिलेंगी। लिस्ट में कुछ नाम ऐसे हैं जो सिनेमाघरों में चहल-पहल बढ़ा सकते हैं। मनोरंजन के लिहाज से यह साल अच्छा गुजर रहा है। कई शानदार फिल्में दस्तक दे चुकी हैं। स्काई फोर्स से लेकर छावा, केसरी चैप्टर 2 और रेड 2 के बाद अब कुछ और मजेदार फिल्में जून में रिलीज होने वाली हैं। गर्मियों की छुट्टियों वाले जून के महीने में ऐसी भी कई फिल्में दस्तक देने वाली हैं, जिन्हें आप बच्चों के साथ देखने जाने का प्लान बना सकते हैं।

ठग लाइफ

कमल हासन, सिलंबरासन, तृषा कृष्णन अभिनीत फिल्म ठग लाइफ 05 जून को थिएटर्स में आने वाली है। फिल्म एक गैंगस्टर की कहानी पर आधारित है, जिसका किरदार कमल हासन ने अदा किया है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा कैमियो रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान मणि रत्नम ने संभाली है।

हाउसफुल 5

यह मल्टीस्टारर फिल्म भी इसी माह दर्शकों के बीच पहुंच रही है। लोकप्रिय फ्रेंचाइजी की इस फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। उनके अलावा रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, जैकलीन फर्नांडीज और नरगिस फाखरी जैसे सितारे भी फिल्म का हिस्सा हैं। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी यह फिल्म 06 जून को रिलीज होगी।

सितारे जमीन पर

आमिर खान की इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। एक्टर की फिल्म तारे जमीन पर साल 2007 में आई थी, जो खूब हिट रही। अब इसके सीक्वल के तौर पर सितारे जमीन पर आ रही है। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में आएगी।

कुबेरा

धनुष, रश्मिका मंदाना, नागार्जुन और जिम सर्भ जैसे सितारों से सजी यह फिल्म भी जून में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया है। यह फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें प्रियांशु चटर्जी और दिलीप ताहिल जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

मां

काजोल की आगामी फिल्म है मां। यह जून में रिलीज हो रही है। फिल्म को हिंदी के अलावा बंगाली, तमिल और तेलुगु में भी रिलीज किया जा रहा है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी यह एक हॉरर फिल्म है। इसमें रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा नजर आएंगे।

ज्ञानवापी फाइल्स

यह फिल्म भी मां के साथ ही 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी उदयपुर के दर्जी कन्हैयालाल के मर्डर पर आधारित बताई जा रही है। इसमें विजय राज, प्रीति झंगियानी और मुश्ताक खान जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं।

कन्नप्पा

फिल्म कन्नप्पा भी जून के महीने में रिलीज हो रही है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसमें अक्षय कुमार, प्रभास, मोहनलाल और मांचू विष्णु जैसे सितारे हैं। मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी यह माइथोलॉजिकल एपिक ड्रामा फिल्म है।

नेहा मलिक का इंडो-वेस्टर्न लुक में दिखा अलबेला अंदाज, यूजर्स बोले- स्वर्ग से आई परी

आलिया ने दिखाई कान की बैक स्टेज झलक, साझा की अलग-अलग तस्वीरें

बिहार के 14 वर्षीय स्टार क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिले पीएम मोदी

पटना। 14 वर्षीय वैभव ने इस सीजन आईपीएल में तहलका मचाया था। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने राजस्थान रॉयल्स से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद पर शतक लगाकर सबका ध्यान खींचा था। अब पीएम मोदी ने उनसे मुलाकात की है और उनकी जमकर तारीफ की है। बिहार दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के स्टार क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मुलाकात की। दोनों की यह मुलाकात पटना के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर हुई। वैभव के साथ के माता पिता भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने खुद वैभव और उनके परिवार के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। 14 वर्षीय वैभव ने इस सीजन आईपीएल में तहलका मचा दिया था। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले वैभव ने राजस्थान रॉयल्स से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद पर शतक लगाकर सबका ध्यान खींचा था। वह आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज बने थे। साथ ही वह आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने थे। उन्होंने यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा था।

पीएम मोदी ने वैभव को लेकर कही यह बात

पीएम मोदी ने वैभव और उनके परिवार के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, पटना एयरपोर्ट पर युवा क्रिकेट सनसनी वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात हुई। उनके क्रिकेट कौशल की पूरे देश में प्रशंसा हो रही है! उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं। वैभव ने पीएम मोदी के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद भी लिया।

वैभव ने जीटी के गेंदबाजों की धुनाई की थी

बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव ने 28 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 11 छक्के और सात चौके लगाए थे। वैभव ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था। वैभव ने अपनी आईपीएल करियर की पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर का सामना किया था और पहली गेंद पर छक्का लगाकर बता दिया कि उनमें कितनी प्रतिभा है। पहले ही आईपीएल मैच में 20 गेंदों में 34 रन की पारी वैभव की प्रतिभा की बानगी पेश की। हालांकि, वैभव के लिए आईपीएल तक का सफर आसान नहीं रहा है। उन्हें और उनके परिवार को काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा है। यहां तक कि उनके पिता ने उनके क्रिकेट करियर के लिए जमीन तक बेच दी थी। वैभव की उम्र पर भी सवाल उठे, लेकिन इस युवा ने मजबूती और दृढ़संकल्प से सभी को अपना लोहा मनवाया।

वैभव और उनके परिवार से मिले पीएम मोदी –

क्या चोटिल हैं जोकोविच? मेडिकल टाइम आउट के सहारे जीत हासिल की

स्पोर्ट्स डेस्क। जोकोविच को दूसरे दौर के मुकाबले में कोरेंटिन मोउटेट के खिलाफ तीसरे सेट में अपने बाएं पैर के अंगूठे में छाले के कारण मेडिकल टाइम आउट लेना पड़ा। हालांकि, उन्होंने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में दमदार खेल से इस मुकाबले को चौथे सेट तक नहीं जाने दिया। फ्रेंच ओपन में फैंस को उस वक्त झटका लगा जब सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को मेडिकल टाइम आउट के सहारे जीत मिली। जोकोविच अनफिट दिख रहे थे और उन्हें कुछ देर के लिए मैच रोक कर इलाज कराना पड़ा। इसके बाद वह फिट होकर फिर खेलने उतरे। इसने फैंस को चौंका दिया क्योंकि जोकोविच इस साल फ्रेंच ओपन खिताब जीतने के सबसे बड़े दावेदार हैं। वह 25वां ग्रैंडस्लैम जीतकर इतिहास रचने उतरे हैं।

जोकोविच के बाएं पैर के अंगूठे में हुई परेशानी

जोकोविच को दूसरे दौर के मुकाबले में कोरेंटिन मोउटेट के खिलाफ तीसरे सेट में अपने बाएं पैर के अंगूठे में छाले के कारण मेडिकल टाइम आउट लेना पड़ा। हालांकि, उन्होंने तीसरे सेट के टाईब्रेकर में दमदार खेल से इस मुकाबले को चौथे सेट तक नहीं जाने दिया। विश्व रैंकिंग के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जोकोविच ने स्थानीय खिलाड़ी मोउटेट के खिलाफ सीधे सेटों में 6–3, 6–2, 7–6 से जीत हासिल की।

उपचार में लगा एक घंटे का समय

जोकोविच ने कहा कि मैच के बाद के उपचार में उन्हें लगभग एक घंटा लग गया और इस दौरान उनके पैर के अंगूठे से खून भी निकलने लगा था। उन्होंने कहा कि उनका अगला मुकाबला शनिवार को है और ऐसे में उनके पास इससे उबरने का बहुत समय है। इस परिणाम ने जोकोविच को रिकॉर्ड 20वीं बार रोलां–गैरो में तीसरे दौर में पहुंचा दिया। फ्रेंच ओपन के सबसे सफल खिलाड़ी राफेल नडाल भी ऐसा करने में सफल नहीं हुए। वह दो और जीत के साथ लगातार 16वें साल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में विवाद

स्पोर्ट्स डेस्क। प्रणव प्रमोद गौरव, रागुल कुमार गणेश, मणिकांत होबलीधर और अमलान बोरगोहेन की चौकड़ी को विश्व एथलेटिक्स के तकनीकी नियम 24.7 का उल्लंघन करते हुए टेकओवर क्षेत्र के बाहर बैटन एक्सचेंज (दूसरे खिलाड़ी को बैटन देना) का दोषी पाए जाने के बाद प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया। भारत की चार गुणा 100 मीटर पुरुष रिले टीम शुक्रवार को प्रारंभिक दौर के दौरान गलत बैटन एक्सचेंज के कारण अयोग्य घोषित कर दी गई।

इसको लेकर दक्षिण कोरिया के गुमी में जमकर विवाद हुआ। भारतीय टीम ने इसका विरोध भी करना चाहा, लेकिन नियम के आगे बेबस दिखे। हालांकि, सचिन यादव और यशवीर सिंह ने मौजूदा ओलंपिक चौंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम के साथ एशियाई एथलेटिक्स चौंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक के फाइनल में जगह बनाई।

बैटन एक्सचेंज में हुई गड़बड़ी

प्रणव प्रमोद गौरव, रागुल कुमार गणेश, मणिकांत होबलीधर और अमलान बोरगोहेन की चौकड़ी को विश्व एथलेटिक्स के तकनीकी नियम 24.7 का उल्लंघन करते हुए टेकओवर क्षेत्र के बाहर बैटन एक्सचेंज (दूसरे खिलाड़ी को बैटन देना) का दोषी पाए जाने के बाद प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया। भारत के साथ–साथ मलयेशिया की टीम को भी इसी तरह के उल्लंघन के लिए अयोग्य घोषित किया गया।

सचिन और यशवीर का भाला फेंक में जलवा

भारतीय दल के लिए हालांकि अच्छी खबर यह रही कि सचिन और यशवीर 12 पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए। सचिन ने 79.62 मीटर की दूरी तय करके पांचवां स्थान हासिल किया, जबकि यशवीर ने 76.67 मीटर की दूरी तय करके शनिवार के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। नदीम इसमें शीर्ष पर रहे। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की दूरी तय करके स्वर्ण जीतने के बाद पहली प्रतियोगिता में भाग ले रहे इस खिलाड़ी ने क्वालिफाइंग राउंड में 86.34 मीटर की दूरी हासिल की।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

सात्विक–चिराग ने विश्व की नंबर एक जोड़ी को हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। सात्विक–चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलयेशियाई जोड़ी को 21–17, 21–15 से हराया। यह इस भारतीय जोड़ी का इस सीजन तीसरा सेमीफाइनल है। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व की नंबर एक मलयेशियाई जोड़ी गोह जि फेई और नूर इजुद्दीन को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक–चिराग की जोड़ी इस सीजन अपने पहले खिताब की तलाश में उतरी है। सात्विक–चिराग की जोड़ी मार्च में ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन में खेलने के बाद से पहली बार किसी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है।

इस सीजन के तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचे

सात्विक–चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 39 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलयेशियाई जोड़ी को 21–17, 21–15 से हराया। यह इस भारतीय जोड़ी का इस सीजन तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले सात्विक–चिराग की जोड़ी मलयेशिया और इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंचने में सफल रही थी। मालूम हो कि सात्विक–चिराग की जोड़ी का सफर ऑल इंग्लैंड चौंपियनशिप में चिराग की चोट के कारण समाप्त हो गया था।

उस वक्त इस जोड़ी को दूसरे दौर में हटना पड़ा था।

अब चिया–यिक की जोड़ी से होगा सामना

सात्विक–चिराग की जोड़ी का सामना अब तीसरी वरीयता प्राप्त मलयेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक से होगा। चिराग ने कहा, हां यह काफी बड़ी जीत है क्योंकि फिलहाल हम 27वें नबर पर हैं। पिछले साल जब हम सिंगापुर में खेले थे तो हम विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर थे। इसलिए यह अच्छा अहसास है कि हमने गोह–इजुद्दीन को हराया। हम इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में मलयेशिया की इस जोड़ी से हार गए थे, इसलिए हमारे लिए यह महत्वपूर्ण जीत है।

सात्विक ने कहा, पिछले कुछ दिनों से हम जैसा खेल रहे हैं उससे काफी खुश हूं और अब अगले मुकाबले के लिए उत्सुक हूं। हमने उनके खिलाड़ी कई बार खेला है। हम इंडिया ओपन में उनके खिलाफ चुनौती पेश नहीं कर सके थे, लेकिन इस बार हम पूरी तैयारी के साथ आए थे। हमने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में अपनी रणनीति पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया।